ISSN : 2760-X790

शोध भारती

त्रैमासिक पत्रिका

(An International Refereed Research Journal)

Vol.-4 Issue-1 May-July 2017

सम्पादक

डॉ. हरीश कुमार

डॉ. आशुतोष त्रिपाठी

10. उत्तर भारत से प्राप्त आभिलेखिक साक्ष्यों के प्रकाश में वैदिक यज्ञ का स्वरूप (प्रारम्भ से चतुर्थ शताब्दी ई0 तक) 49–54
अवनीश कुमार मिश्र

11. बौद्ध–संघ में भिक्षुणियों की स्थिति 55–58
अभिषित त्रिपाठी

12. व्यक्ति एवं समाज सम्बन्धी विनोबा के विचार 59–62
संजय कुमार चौहान

13. समावेशी शिक्षा के विकास में सर्व शिक्षा अभियान की भूमिका 63–68
Meena Kumari

14. डॉ0 राममनोहर लोहिया के आदर्श एवं विचार 69–79
प्रीती तिवारी

15. बौद्ध धर्म और महिलाएँ 80–86
प्रखर कुमार

16. उत्तर भारत में कृषि एवं कृषिगत तकनीक का विकास (प्रारम्भ से प्रथम शती ई0 तक) 87–92
दीपिका चौरसिया

17. संस्कृत नाटको में वर्णित नायिका का चतुर्विध यौवन 93–97
राधा

18. The evolution of Digitize Economy and its prospects in India 98–104
Zahinuddin

19. स्त्री अस्मिता का संघर्ष : 'पीली आंधी' 105–111
सुधा पाल

20. आर्य समाज की अवधारणा
वीरेन्द्र कुमार

समावेशी शिक्षा के विकास में सर्व शिक्षा अभियान की भूमिका

Meena Kumari*

"निरक्षरता हमारे लिये पाप और शर्मनाक है, इसका नाश किया जाना चाहिये।"

महात्मा गांधी

शिक्षा एक ऐसा साधन है जो राष्ट्र की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में एक जीवंत भूमिका निभा सकता है। यह नागरिकों की विश्लेषण क्षमता सहित उनका सशक्तीकरण करता है, उनके आत्मविश्वास का स्तर बेहतर बनाता है और उन्हें शक्ति से परिपूर्ण करता है एवं दक्षता बढ़ाने के लक्ष्य तय करता है। शिक्षा में केवल पाठ्य पुस्तकें सीखना शामिल नहीं है बल्कि इसमें मूल्यों, कौशलों तथा क्षमताओं में भी वृद्धि की जाती है। इससे व्यक्ति को अपने कैरियर और साथ ही प्रगतिशील मूल्यों के साथ एक नये समाज के निर्माण में एक उपयोगी भूमिका निभाने में सहायता मिलती है। अतः शिक्षा व्यक्तिगत स्तर के साथ बेहतरी के लिये पूरे समाज में बदलाव ला सकती है। शिक्षा का क्षेत्र भारत सरकार के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, जिसके द्वारा प्राथमिक शिक्षाको प्रोत्साहन देने के लिये प्रावधानों तथा योजनाओं को नियमित रुप से तैयार किया जाता रहा है। शिक्षा का अधिकार भारतीय संविधान द्वारा एक मूलभूत अधिकार घोषित किया गया है। इसमें बताया गया है कि "राज्य द्वारा 6 से 14 वर्ष की आयु तक के सभी बच्चों को निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा इस प्रकार प्रदान की जायेगी कि इसे कानून द्वारा निर्धारित किया जाय।" नागरिकों के बीच साक्षरता को बढावा देने के लिये भारत सरकार ने अनेक योजनाएं आरंभ की हैं, जैसे कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना, मध्यान्ह भोजन योजना और प्रारंभिक स्तर पर बालिकाओं की शिक्षा के लिये राष्ट्रीय कार्यक्रम। इन योजनाओं में से एक सबसे अधिक मूलभूत और आशाजनक योजना है– सर्व शिक्षा अभियान।

सर्व शिक्षा अभियान –

सर्व शिक्षा अभियान सभी को शिक्षा प्रदान करने हेतु चलाया गया अभियान है। इस योजना का आरंभ 2001 में किया गया। सर्व शिक्षा अभियान प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित एक योजना है। सर्व शिक्षा अभियान प्राथमिक शिक्षा के सर्वसुलभ बनाने के लिये भारत के सामाजिक क्षेत्र के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में से एक है। इसके समग्र लक्ष्यों में प्राथमिक शिक्षामें सार्वभौमिक पहुंच एवं अवधारणा, लैंगिग एवं सामाजिक श्रेणी के अंतरों को पाटना और बच्चों के अध्ययन स्तर में महत्वपूर्ण वृद्धि करना है। एक राष्ट्रीय योजना के

---

*Assist. Prof.(Special Edu.), Guru Ghasidas University, Bilaspur(C.G.) email- meenaggv@gmail.com, mob- no. 9453502713